प्रार्थना

हिम्मत न हारिये, प्रभु न बिसारिये।
हँसते मुस्काते हुए जिन्दगी गुजारिये।।
हँसते मुस्काते हुए जीना जिनको आ गया।
टूटे दिलों को सीना जिनको आ गया।
ऐसे धर्मात्मा के चरण पखारिये
उनकी तरह नेक बन के जिन्दगी गुजारिये।
हिम्मत न हारिये .....
काम ऐसे कीजिए कि जिनसे हो सबका भला
बातें ऐसी कीजिए जिनमें हो अमृत भरा
मीठी बोली बोल सबको प्रेम से पुकारिये
कड़वे बोल बोल के न जिन्दगी गुजारिये।।
हिम्मत न हारिये .....
मुश्किलों, मुसीबतों का, करना हो जो खात्मा
हर समय कहते रहिए शुक्र है परमात्मा
गिले-शिकवे में अपना वक्त न गुजारिये
जैसे प्रभु रखें वैसे जिन्दगी गुजारिये।।
हिम्मत न हारिये .....
शुभ कर्म करते हुए दुःख भी अगर पा रहे।
पिछले पाप कर्मों का भुगतान वो भुगता रहे
आगे मत उठाइये पिछले बोझ उतारिये
गलतियों से बचते हुए जिन्दगी गुजारिये।।
हिम्मत न हारिये .....
हँसते मुस्कराते .....